राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार , 06 जुलाई 2026

वर्ष 14, अंक 88, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

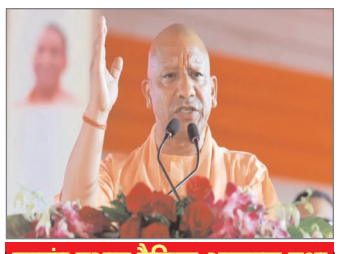

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

कैशलेस के साथ 10 लाख शिक्षक-कार्मिकों को मिलेगा ग्रुप लाइफ इंश्योरेंस कवर...03

उमर खालिद और शरजील इमाम को बड़ा झटका...04

भारत की आस्था पर कर रहे हैं प्रहार... सीएम योगी का विपक्ष पर हमला

●लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्ष भाजपा के विरोध में भारत विरोधी हो जाता है, वोट बैंक के लिए बाबरी ढांचे और जिहाद का समर्थन करता है

एजेंसी

लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित 'शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन' को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीजेपी का विरोध करते-करते ये लोग भारत का विरोध करने लगते हैं. जब बाबरी ढांचे का समर्थन वो लोग करते हैं, तब भारत की आस्था की चिंता उन्हें नहीं होती है। जब लैंड जिहाद , लव जिहाद का ये लोग बेशर्मी के साथ समर्थन करते हैं, तब उन्हें यूपी और भारत की आस्था की चिंता नहीं होती है, लेकिन वोट बैंक की तब चिंता होती है. जब भारत की आस्था को आहत करना हो तो प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से प्रहार करने का मौका नहीं छोड़ते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 9 साल पहले किसी ने सोचा था कि काशी में विश्वनाथ धाम इतना भव्य बन जाएगा। कोई सोचता था कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि और अयोध्या नगरी इतनी सुंदर हो जाएगी कि त्रेता युग का स्मरण कराएगी।

डबल इंजन सरकार में हो रहा विकास

उन्होंने कहा कि कोई सोचता था कि वृदावंन और मथुरा में द्वापर युग का स्मरण करायेगा। आज ये सब डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार करा रही है. मूलभूत सुविधा, रेलवे, मेट्रो, रैपिड रेल ये सब का मॉडल है. हम ड्रोन बना रहे हैं तो ब्रह्मोस मिसाइल भी बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले पिछली सरकारें माफिया पालती थी. हर जिले में अपने गुर्गो से कट्टा और बम बनवाती थी, लेकिन अब हम देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस बना रहे हैं. हमारे लिए राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत थी।

भारत की आस्था पर कर रहे हैं प्रहार

उन्होंने कहा कि आज विकास दिखाई दे रहा है. आज सुरक्षा और सुशासन का मॉडल है. जिस प्रकार से डबल इंजन की सरकार समाज के प्रत्येक तबके लिए काम कर रही है. बिना रूके हुए कर रही है. यही तो पीड़ा है इन विपक्षी दलों को. जिस तबके को जाति के नाम पर विभाजित करते थे. डबल इंजन की सरकार ने अपने साथ जोड़ने का काम किया है. भारत की एकता और अखंडता के लिए विभाजन का ठीकरा फोड़कर भारत की आस्था पर प्रहार करने की कोशिश कर रहे हैं. 'शक्ति केंद्र' का मतलब- भारत की लोकतांत्रिक-व्यवस्था का केंद्र बिंदु, जहां से एक-एक मतदाता के साथ हमारा संवाद शुरू होता है।

यूपी फतह' के लिए नितिन नबीन की रणनीति

'सबका साथ सबका प्रयास...' मिलकर चुनाव लड़ने का नितिन नवीन का मंत्र,

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने यूपी दौरे पर पार्टी में संतुलन बनाने और गुटबाजी खत्म करने का प्रयास किया उन्होंने मुख्यमंत्री योगी, डिप्टी सीएम और संघ नेताओं से मुलाकात कर 'सबका साथ' का संदेश दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का रविवार को दो दिवसीय यूपी दौरा समाप्त हो गया. राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद अपना लखनऊ पहला दौरा सबका साथ सबका प्रयास और सब मिलकर लड़ेंगे चुनाव ये दो संदेश देकर नितिन नवीन अपना यूपी का दौरा समाप्त किए। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दौरे में पार्टी में संतुलन बनाने की कोशिश और अयोध्या कांड से होने वाले संभावित नुकसान का डर साफ साफ दिखा. शायद यही वजह रही कि नितिन नवीन ने सीएम योगी के साथ-साथ दोनों डिप्टी सीएम और संघ के साथ अलग अलग मुलाकात की. ऐसा नहीं है कि यूपी बीजेपी में कभी गुटबाजी नही थी, लेकिन लोकसभा चुनाव में मिली पार्टी को करारी हार के बाद से ही सरकार बनाम संगठन का मुद्दा उठना शुरू हो गया. इस गुटबाजी के चलते ही विपक्ष ने बीजेपी पर निशाना साधना शुरू किया और दिल्ली बनाम लखनऊ का पॉलिटिकल नैरेटिव सेट करना शुरू कर दिया।

विपक्ष ने इसे केशव मौर्या बनाम सीएम योगी और पिछड़ा बनाम ठाकुरवाद का नाम देना शुरू कर दिया. नितिन नवीन भी इस चुनौती को पार्टी के लिए बड़ा संकट मानते हैं और शायद इसीलिए अपने दौरे में उन्होंने सीएम योगी के साथ डिनर पर जबकि डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से आम की दवात पर और केशव मौर्या के घर डिनर पर अलग-अलग मुलाक़ात की।

मिलकर चुनाव लड़ने का संदेश

हालांकि इस दौरान नितिन नवीन, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सहित सीएम योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल और दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या और ब्रजेश पाठक मौजूद रहें. संदेश साफ था कि कोई विशिष्ट नहीं है और चुनाव सबको मिलकर लड़ना है। ब्रजेश पाठक के यहां चारपाई पर बैठकर कार्यकर्ताओं के साथ आम खाने या शर्मा टी स्टॉल पर पार्टी कार्यकर्ता के प्लेट से बन मक्खन लेकर खाना. ये नितिन नवीन की तरफ से साफ संदेश देने की कोशिश है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष हो या फिर आम कार्यकर्ता पार्टी इंट्रेस्ट में सब एक हैं, कोई भेद नही है।

वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र कुमार का कहना है कि नितिन नवीन का ये यूपी दौरा पार्टी में कोई नई गुटबाजी ना हो और पुरानी गुटबाजी को कम करने का हर संभव प्रयास हो. साथ ही सबके सहयोग से चुनाव लड़ने और सहयोगी दलों को भी सम्मान देने पर केंद्रित रहा सीएम और दोनों डिप्टी सीएम तीनों हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं और इन तीनों को बराबर महत्व देकर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एक संतुलन बनाने की कोशिश की है।

जातीय समीकरण को साधने की उलझन!

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद बंगाल की जीत भले नितिन नवीन के हिस्से में एक उपलब्धि के तौर पर दिखे, लेकिन उनकी असली परीक्षा उत्तर प्रदेश में होनी है, जहां बीजेपी के हार्ड हिंदुत्व के सामने समाजवादी पार्टी का पीडीए फॉर्मूला खड़ा है अयोध्या कांड के बाद से तो हार्ड हिंदुत्व चल पायेगा, इसकी संभावना कम होने की आशंका ने भी बीजेपी नेतृत्व को परेशान कर रखा है. नितिन नवीन के लखनऊ दौरे पर पहले दिन तीन बड़ी बैठकें हुईं. बीजेपी हेडक्वार्टर में संगठन के पदाधिकारियों के साथ, लखनऊ के पांच सितारा होटल में सांसदों और विधायकों के (जनप्रतिनिधियों) साथ और यही पर सबसे महत्वपूर्ण बैठक कोर कमिटी के साथ हुई।

संक्षिप्त ख़बरें

यूपी फतह' के सीतापुर में हॉस्टल मालिक की संदिग्ध मौत

महमूदाबाद (सीतापुर)। घर से हॉस्टल के लिए निकले मालिक का शव शुक्रवार रात करीब 12 बजे बरदहिया बाजार में मिला। अंगूठी व चैन सुरक्षित थी तथा बुलेट पड़ोस में पड़ी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सिर पर कई चोट के निशान हैं। परिवारजन ने ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम ने पड़ताल करते साक्ष्य संकलित किए। रामकुंड चौराहा के मनोज शुक्ल (45) का शहजानी में हनुमत कृपा ब्वायज हास्टल है। शुक्रवार की देर शाम वह करीब साढ़े आठ बजे घर से हास्टल के लिए निकले थे। रात 11 बजे तक वापस नहीं आए और उनका मोबाइल फोन भी नहीं रिसीव हो रहा था। परिवारजन ने खोजबीन शुरू की तो रात करीब 12 बजे मनोज शुक्ल का खून से लथपथ शव ब्लाक मार्ग से हनुमत कृपा हास्टल जाने वाले मार्ग के किनारे हास्टल से करीब 200 मीटर पहले बरदहिया बाजार में पड़ा मिला।

शोपियां के सैदपोरा इलाके में मुठभेड़

शोपियां। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के सैदपोरा इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार इलाके में दो आतंकियों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। इससे पहले इलाके में बड़े पैमाने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया था।अधिकारियों के अनुसार यह अभियान 44 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), 14 बटालियन सीआरपीएफ, एसओजी और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चलाया जा रहा है।

13 जुलाई को होगा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

लखनऊ। कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 13 जुलाई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे. यह 63 किमी लंबा, 4,700 करोड़ की लागत से बना एक्सप्रेसवे लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा को तेज, सुरक्षित और सुगम बनाएगा. इससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैफिक का दबाव 70% कम होगा.कानपुरवासियों के लिए बड़ी खबर है, बहुप्रतीक्षित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे बनकर पूरी तरह तैयार है. इसे 13 जुलाई से आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा. एक्सप्रेसवे का लोकार्पण केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे।

यूपी में आज मानसून की दस्तक! नोएडा से बनारस तक बदला मौसम

लखनऊ उत्तर प्रदेश में मानसून आ गया है. आज शाम तक बारिश शुरू होने और दो दिनों में पूरे प्रदेश को कवर करने की संभावना है. मौसम विभाग ने 26 जिलों में भारी बारिश और 29 जिलों में आंधी-तूफान व वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. पश्चिमी यूपी में अभी गर्मी है, जबकि पूर्वांचल में पहले ही बारिश दर्ज की गई.उत्तर प्रदेश में मानसून की एंट्री होने ही वाली है. संभावना है कि शाम तक प्रदेश में मानसून की बारिश शुरू हो जाएगी. वहीं अगले दो दिनों में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर सकता है. भारतीय मौसम विभाग ने प्रदेश के 26 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. इस दौरान 30 से अधिक जिलों आंधी-तूफान चलने और आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की है. हालात को देखते हुए मौसम विभाग ने इन सभी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के लखनऊ केंद्र से जारी ताजा बुलेटिन के मुताबिक आज यूपी के महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, देवरिया, बलिया समेत 26 जिलों में भारी बारिश हो सकती है. इसी प्रकार प्रयागराज, वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, आजमगढ़ समेत 29 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने का खतरा है. मौसम विभाग के मुताबिक यह स्थिति मानसून आने के

सीतापुर में आंधी-बारिश का कहर, खंभे और तार टूटने से 1900 से ज्यादा गांवों की बिजली गुल

एजेंसी

सीतापुर। आंधी व बारिश से जिले की बिजली व्यवस्था बेपटरी हो गई है। शहर के एबीडी कॉलोनी के पास एलटी लाइन का तार टूट गया, जिसके चलते करीब चार घंटे रोटी गोदाम फीडर बंद रहा। प्रेमनगर फीडर जाने वाली लाइन का जंपर कटने से दो घंटे आपूर्ति बाधित रही है। वहीं, विभिन्न स्थानों पर बिजली के खंभे व तार टूट गए हैं। इससे 1975 गांवों की बिजली गुल हो गई है। बारिश रुकने के बाद विभागीय अधिकारी व कर्मी फाल्ट को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। बारिश होने से लोगों को गर्मी की अधिक समस्या नहीं हुई। हालांकि, लगातार बिजली गुल होने से लोगों के घरों में बिजली उपकरण जरूर बंद हो गए और लोगों को पेयजल की किल्लत से जूझना पड़ा। सिटी उपकेंद्र के रोटी गोदाम फीडर के एबीडी कॉलोनी में सुबह छह बजे के करीब घरेलू लाइन का तार टूट गया। रुक-रुककर हो रही हल्की बारिश के चलते सुबह दस बजे के करीब फाल्ट दूर की जा सकी। इसी तरह प्रेमनगर फीडर जाने वाली लाइन का जंपर टूटने से सिविल लाइल, प्रेमनगर, बट्सगंज, वाल्दा कॉलोनी सहित करीब दस मुहल्लों की आपूर्ति दोपहर एक से तीन बजे तक बाधित रही।

बिसवां वितरण खंड के भिठौली गांव पेड़ गिरने से तीन खंभे टूट गए हैं। इसी तरह कमलापुर में आठ, रेउसा में चार, हरगांव में पांच, मिश्रिख में 12 खंभे टूट गए हैं। इससे विभिन्न वितरण खंड के 1975 गांवों की आपूर्ति ठप हो गई है। बारिश रुकने के बाद लाइन पर टीम पेट्रोलिंग कर आपूर्ति बहाल करने का प्रयास कर रही है।

नगवापेडी फीडर बंद होने से आपूर्ति ठप

सरवा उपकेंद्र के नगवापेडी फीडर में बुधवार की शाम से ब्रेकडाउन होने से उपभोक्ता परेशान हैं। गांव के अनिल, राजेश, अमित, विनोद ने बताया कि बीस घंटे से अधिक समय से फीडर बंद हैं। उपकेंद्र से लेकर कर्मियों को बिजली कटौती के बारे में जानकारी दी गई है, लेकिन कोई निस्तारण नहीं हो सका है। बिजली न होने से घरों में लगे फ्रिज ,टीबी ,कूलर, पंखे व समर पंप बिजली के अभाव में बेकार हो गये है। अवर अभियंता धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि नगवापेडी फीडर की लाइन जर्जर होने के चलते चल नहीं पा रही है।

दो वर्ष बाद भी नहीं बदले खंभे व तार

ढकिया : महोली उपकेंद्र क्षेत्र के परसेहरा गांव में करीब दो वर्ष पहले बिजली के खंभे व तार टूट गए थे, जिसे अब तक ठीक नहीं कराया गया है। इससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव के निवासी कुनेंद्र यादव ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी से शिकायत की गई है, जिसके बाद भी निस्तारण नहीं हो सका है।

जिस बॉथरूम में दफन किया पति का शव, उसी में 46 दिन नहाती रही पत्नी; अब कौन सा छिपा रखी है राज?

एजेंसी

आगरा। आगरा में एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है, जहां पत्नी रूबी शर्मा ने पति की हत्या कर शव को बाथरूम में दफना दिया और 46 दिनों तक उसी बाथरूम का इस्तेमाल करती रही. पुलिस को इस वारदात में उसके किसी साथी की मौजूदगी और कई गहरे राज छिपे होने का संदेह है. यह मामला मेरठ के 'नीले ड्रम' कांड जैसी क्रूरता दर्शाता है, जिसकी पुलिस गहनता से जांच कर रही है.मेरठ के नीले ड्रम वाला कांड तो आपको याद ही होगा, वहीं, जिसमें पत्नी मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर पति के कई टुकड़े किए और फिर नीले ड्रम में पैक कर घूमने निकल गई थी. ठीक इसी तरह का अब एक नया कांड उत्तर प्रदेश के ही आगरा में सामने आया है. रोंगटे खड़े कर कर देने वाली इस वारदात में हत्यारन पत्नी ने पहले पति की हत्या की, फिर शव को बॉथरूम में दफन किया और बीते 46 दिनों से उसी बॉथरूम में नहाती रही. वारदात के खुलासे ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है. पुलिस की पूछताछ में हत्यारन बीवी रूबी शर्मा ने वारदात की जो कहानी बताई है, वो किसी के भी गले नहीं उतर रहा. लोगों, यहां तक कि खुद पुलिस का मानना है कि इस महिला ने कई राज अभी भी अपने सीने में दफन कर रखे हैं. पुलिस अब हर संभावित एंगल से मामले की जांच करते हुए उन सभी राज को उगलवाने की कोशिश कर रही है। पुलिस का मानना है कि यह वारदात एक महिला किसी हाल में अकेले अंजाम नहीं दे सकती. निश्चित रूप से इस वारदात में उसका कोई साथी रहा होगा. हालांकि अब तक की पूछताछ में इसने किसी अन्य का नाम नहीं लिया है. दरअसल, महिला ने अपने कबूलनामे में कहा है कि उसने खीर में 20 से अधिक नींद की गोलियां मिलाई और पति को खिला दिया. इससे उनकी मौत हो गई. हालांकि इस कबूलनामे पर पुलिस को संदेह है। महिला ने पुलिस को बताया कि 18 मई को वारदात के बाद उसने खुद बॉथरूम की फर्श तोड़ा, गड्ढा खोदा और पति की लाश को घसीटते हुए लाकर दफन कर दिया. फिर लाश पर नमक डालने के बाद मिट्टी भर दिया. अगले दिन उसने राजमिस्त्री को बुलाकर फर्श पर प्लास्टर कराने के बाद टाइल्स भी लगवा दिए और फिर 46 दिनों तक उसी बाथरूम में नहाती रही।

बंगाल में 12 साल की लड़की की गैंगरेप के बाद हत्या

लोगों में आक्रोश, सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

● घटना के बाद लड़की का शव एक तालाब से बरामद किया गया है

● घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोपियों की जल्द से जल्द से गिरफ्तारी की मांग की है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में संदिग्ध हालात में 12 साल की लड़की की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है. उसके परिवार और स्थानीय लोगों का आरोप है कि उसके साथ गैंगरेप और हत्या की गई और बाद में उसकी लाश तालाब में फेंक दी गई. इस घटना से इलाके में भारी आक्रोश है. लोगों ने घटना की दोषियों की।

बताया जा रहा है कि लड़की शनिवार शाम पास की दुकान से खाने-पीने का सामान लेने घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी. परिवार ने उसे बहुत ढूंढा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला. रविवार सुबह सूर्यपुर हाट इलाके के एक तालाब में उसकी लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. स्थानीय लोगों का दावा है कि चार युवकों ने लड़की का अपहरण किया और गैंगरेप के बाद उसकी हत्या कर दी. घटना के बाद, गुस्साए लोगों ने सड़क पर लाश रखकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा

सूचना मिलने पर बारुईपुर पुलिस मौके पर पहुंची. स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध, प्रभास मंडल, को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है. इस बीच, बाकी आरोपियों का पता लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. मौत की सही वजह और रेप के आरोपों की सच्चाई का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही चल पाएगा. फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

घटना के बाद तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है. प्रशासन लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है, जबकि परिवार और स्थानीय लोग दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं. पुलिस का कहना है कि घटना की गहनता से जांच की जा रही है. आरोप सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीतापुर के चक्रतीर्थ मार्ग पर सांड ने तीन श्रद्धालुओं को पटका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। चक्रतीर्थ जाने वाले मार्ग पर सोमवार को एक सांड़ बेकाबू हो गया। उसने तीन श्रद्धालुओं को पटक दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नैमिषारण्य में भर्ती किया गया है। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। चक्रतीर्थ मार्ग पर सोमवार की दोपहर श्रद्धालु लौट रहे थे। इस बीच एक सांड़ ने मिश्रिख के अमजदपुर के 70 वर्षीय रामप्रसाद को सींग पर उठाकर पटक दिया। आसपास के लोग लाठी-डंडा व पानी लेकर पहुंचे, लेकिन वह शांत नहीं हुआ। सांड़ ने नैमिषारण्य के 60 वर्षीय नब्बे व 11 वर्षीय शिवा को भी पटक कर जख्मी कर दिया। करीब एक घंटा के बाद लोग सांड़ को भगा पाए। इसके बाद घायलों को को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां से जिला अस्पताल रेफर दिया है।

सभी गंभीर हलत में रेफर

स्थानीय प्रशासन पर अनेदखी का आरोप

सांड़ के हमले के बाद नैमिषारण्य आने वाले श्रद्धालु व स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों का आरोप है कि कई बार स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी दी गई, लेकिन बेसहारा पशु पकड़वाए नहीं जा रहे हैं। लखीमपुर के देशराज ने बताया कि सांड़ और अन्य बेसहारा पशुओं को प्रशासन को पकड़वाना चाहिए।

सम्पादकीय

रील्स के युग में 'लक्ष्मण रेखा' कहां तक

सोशल मीडिया पर आज जिस तरह के कंटेंट देखने को मिल रहे हैं उनको देखकर एक बात मन में तो जरूर उठती है कि इसकी कुछ सीमाएं अति आवश्यक हैं क्योंकि रील मेकर्स व्यूज पाने के लिए अभद्र से अभद्र सामग्री डाल रहे हैं। आजादी ठीक है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम समाज को नग्नता परोसें। ऐसा नहीं है कि सरकार इस विषय में कुछ सोच न रही हो लेकिन लोग इसको उनकी आजादी में खलल के हिसाब से देखने लगते हैं। इंस्टाग्राम पर कथित आपत्तिजनक सामग्री को लेकर केन्द्र सरकार ने मेटा पर सख्त रुख अपनाया है। मेटा की टीम ने कल ही इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की है। सरकार ने बीते दिनों इस मामले में तीन दिनों के भीतर विस्तृत जवाब मांगा है। मेटा ने तय समय-सीमा के भीतर अपना अंतिम जवाब देने का आश्वासन दिया है। इसी बीच सूत्रों के अनुसार केन्द्र सरकार ने इंस्टाग्राम पर बाल योन शोषण से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री को बढ़ावा देने वाले कथित विज्ञापनों को भी गंभीरता से लिया है। 30 सेकंड की रील और एक स्वाइप की दूरी। सोशल मीडिया के इस दौर में अभिव्यक्ति की आजादी और अश्लीलता के बीच की लाइन बेहद पतली हो गई है। खासकर इंस्टाग्राम पर, जहां युवा कंटेंट क्रिएटर से लेकर ब्रांड तक सब एक्टिव हैं। ऐसे में सवाल उठता है: आखिर इंस्टाग्राम पर 'अभद्र' माना क्या जाएगा? मेटा की कम्युनिटी गाइडलाइंस का जवाब सीधा है: 'बात कर सकते हो, दिखा नहीं सकते। इंस्टाग्राम की नीति में कुछ मुद्दों पर जीरो टॉलरेंस है। यहां ढ्ढ भी और यूजर रिपोर्ट भी तुरंत एक्शन लेती है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की किसी भी प्रकार की नग्न या यौन संदर्भ वाली सामग्री। यह केवल प्लेटफॉर्म का नियम नहीं, बल्कि कानूनी अपराध है। बलात्कार, अनाचार, जानवरों के साथ यौन संबंध को महिमामंडित करना या उसका ग्राफिक वर्णन, इस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। पीली रेखा: 'सेंसिटिव कंटेंट' का दायरा- यह सामग्री प्लेटफॉर्म से हटेगी नहीं, लेकिन इंस्टाग्राम खुद इसकी पहुंच सीमित कर देगा। यह रील्स टैब एक्सप्लोर और हैशटैग पेज पर दिखाई नहीं देगी। इसमें क्या आता है? बिकनी, पारदर्शी कपड़े, शरीर के अंगों पर फोकस करने वाले वीडियो। सेक्स शिक्षा पर बात करना ठीक है, पर अगर वीडियो में उत्तेजक इशारे या अश्लील ऑडियो जोड़ा गया तो वह इसी श्रेणी में चला जाएगा। हरी रेखा: जो पूरी तरह स्वीकार्य है- रोमांटिक किस, आलिंगन, बॉडी पॉजिटिविटी, सर्जरी के निशान, पीरियड और स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता वाले कंटेंट पर कोई रोक नहीं है। क्यों जरूरी है ये सीमा? साइबर कानून विशेषज्ञ अधिवक्ता प्रांजल शुक्ला कहते हैं, ट्ठ 'इंस्टाग्राम पर 13 साल से ऊपर के बच्चे भी हैं। अगर प्लेटफॉर्म पर कोई नियंत्रण न हो तो वह अश्लीलता का अड्डा बन जाएगा। इसलिए मेटा ने ' कोन्टेक्सट इंटेंट और डिस्प्ले' का फॉर्मूला बनाया है।' मतलब: डॉक्टर अगर सेक्स एजुकेशन दे रहा है तो चलेगा। वही बात अगर कॉमेडी के नाम पर भद्दे इशारों से की जाए तो नियम तोड़ेगी। सजा का प्रावधान - नियम तोड़ने पर पहले पोस्ट हटाकर वार्निंग मिलती है। दोबारा करने पर 24 घंटे से 7 दिन तक अकाउंट रिस्ट्रिक्ट। तीसरी बार में स्थायी बैन। 2024 में Meta ने भारत में ही हजारों अकाउंट अश्लील सामग्री के कारण हटाए थे। क्रिएटर्स के लिए जरूरी बातें- रील्स का कवर फोटो सबसे ज्यादा रिपोर्ट होता है। बैकग्राउंड में चल रहे गाने के बोल अगर अश्लील हैं, तो वीडियो भी येलो जोन में जाएगा। बायो में 18+ वेबसाइट का लिंक डालना सीधे अकाउंट सस्पेंशन का कारण बनता है। डिजिटल इंडिया में इंस्टाग्राम संवाद का बड़ा माध्यम बन चुका है। पर आजादी का मतलब अराजकता नहीं। प्लेटफॉर्म की यही कोशिश है कि वह 'डिजिटल सार्वजनिक स्थान' बना रहे, 'डिजिटल रेड-लाइट एरिया' नहीं।

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

जल के बिना भी संकट, जल के साथ भी संकट

भारतीय शहर आज विकास की सबसे बड़ी विडंबना का प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष का एक हिस्सा पानी की एक-एक बूंद के लिए भटकते हुए गुजरता है, तो दूसरा उसी पानी से बचने के संघर्ष में। कुछ ही महीने पहले दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में सूखे नल, घटता भूजल, टैंकरों के पीछे लंबी कतारें और 'वॉटर क्राइसिस' के बोर्ड दिखाई दे रहे थे। आज वही शहर मूसलाधार बारिश में डूबे हैं। सड़कें नदियों में बदल गई हैं, मेट्रो स्टेशन जलमग्न हैं, वाहन बह रहे हैं और जनजीवन ठप पड़ा है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल की विफलता है जिसने प्रकृति के साथ चलने के बजाय उसे पराजित करने का भ्रम पाल लिया। सबसे बड़ी चिंता यह है कि जल संकट और जलभराव अब अलग-अलग समस्याएँ नहीं, बल्कि एक ही अव्यवस्थित व्यवस्था के दो चेहरे हैं। गर्मियों में दिल्ली का भूजल खतरनाक स्तर तक गिर जाता है और लोग पानी के लिए भटकते हैं, जबकि मानसून की पहली तेज बारिश में वही इलाके घुटनों तक पानी में डूब जाते हैं। मुंबई में हर वर्ष लोकल ट्रेनें ठप पड़ती हैं और लाखों लोग प्रभावित होते हैं। तकनीकी राजधानी बेंगलुरु में सड़कें जलमग्न होने पर आईटी कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम लागू करना पड़ता है। चेन्नई में 2015 की विनाशकारी बाढ़ की यादें आज भी भय पैदा करती हैं। शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में प्रमुख शहरों में जलभराव की घटनाएँ लगभग 35 प्रतिशत बढ़ी हैं। यह केवल वर्षा की तीव्रता नहीं, बल्कि हमारी योजनागत विफलता का प्रमाण है। इस संकट की जड़ें प्रकृति में नहीं, हमारी विकास नीति में हैं। शहरों के अंधाधुंध विस्तार ने झीलों, तालाबों, वेटलैंड्स और प्राकृतिक जलमार्गों को निगल लिया। सदियों तक वर्षा जल सँभालने वाले जलाशयों की जगह मॉल, बहुमंज़िला इमारतें, कॉलोनियाँ और सड़कें खड़ी हो गईं। नतीजतन वर्षा जल के प्राकृतिक निकास मार्ग समाप्त हो गए। बादल अपना काम करते हैं, लेकिन शहर विफल हो जाते हैं। पानी के पास बहने का रास्ता नहीं बचता, इसलिए वह सड़कों, बेसमेंटों, मेट्रो स्टेशनों और रिहायशी इलाकों में भर जाता है। दिल्ली-एनसीआर का अनेक स्थानों पर 50-60 वर्ष पुराना ड्रेनेज तंत्र आज की आबादी और वर्षा का दबाव नहीं झेल पा रहा, जबकि मुंबई में समुद्र से पुनः प्राप्त भूमि पर जल निकासी और गंभीर हो गई है। प्रकृति को कुचलकर किए गए विकास की कीमत आज हर नागरिक चुका रहा है। स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि यह कोई अप्रत्याशित आपदा नहीं। हर वर्ष मानसून आता है, भारी बारिश होती है और जलभराव होता है, फिर भी प्रशासन की तैयारी अधूरी रहती है। नालों की सफाई अधूरी, पंपिंग स्टेशन खराब, ड्रेनेज का आधुनिकीकरण फाइलों में और जल निकासी पर निवेश नाकाफी रहता है। नतीजा, कुछ घंटों की बारिश ही शहर की रफ्तार थाम देती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, शहरी बाढ़ से हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होता है। इसके बावजूद स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में ड्रेनेज, भूजल पुनर्भरण और वर्षा जल प्रबंधन प्राथमिकता नहीं बन पाए। योजनाएँ आधुनिक दिखती हैं, लेकिन बुनियादी ढाँचा आज भी जर्जर और उपेक्षित है। प्रशासनिक उदासीनता की सबसे बड़ी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं। कर्मचारी घंटों जाम में फँसते हैं, विद्यार्थी विद्यालय नहीं पहुँच पाते, छोटे व्यापारी कारोबार ठप होने को विवश होते हैं और कई बार गंभीर रोगी समय पर अस्पताल तक नहीं पहुँच पाते। जलभराव केवल असुविधा नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं, संक्रामक रोगों, बिजली संकट और आर्थिक ठहराव का कारण बनता है। दूसरी ओर गर्मियों में यही नागरिक टैंकरों से महँगा पानी खरीदने को मजबूर होते हैं। यानी कुछ ही महीनों में एक ही शहर पानी की कमी और पानी की अधिकता—दोनों का संकट झेलता है। इससे बड़ा विकास का विरोधाभास क्या हो सकता है? स्पष्ट है कि समस्या का समाधान केवल राहत कार्यों से नहीं होगा। भारत को ऐसी समग्र जल नीति चाहिए, जो

> ✦ **जल संकट और जलभराव का विरोधाभास - गर्मियों में पानी की कमी, जबकि बरसात में वही पानी बाढ़ और जलभराव का कारण बनता है।**
>
> ✦ **विकास मॉडल की विफलता - प्रकृति के अनुरूप विकास न होने से शहर जल संकट और बाढ़ दोनों झेल रहे हैं।**
>
> ✦ **प्राकृतिक जल स्रोतों का विनाश - झीलों, तालाबों, वेटलैंड्स और प्राकृतिक जलमार्गों पर निर्माण होने से वर्षा जल का प्राकृतिक निकास बाधित हुआ।**
>
> ✦ **पुरानी और कमजोर ड्रेनेज व्यवस्था - अधिकांश शहरों का जल निकासी तंत्र वर्तमान आबादी और भारी वर्षा का सामना करने में सक्षम नहीं है।**
>
> ✦ **प्रशासनिक लापरवाही - नालों की समय पर सफाई, पंपिंग स्टेशन और ड्रेनेज आधुनिकीकरण की कमी से हर वर्ष स्थिति बिगड़ती है।**

जल संरक्षण, जल निकासी और भूजल पुनर्भरण—तीनों को समान महत्व दे। हर नए निर्माण में वर्षा जल संचयन, पर्मिएबल सड़कें तथा वेटलैंड्स, झीलों और तालाबों का संरक्षण अनिवार्य हो। उपेक्षित पारंपरिक जलाशयों के पुनर्जीवन का राष्ट्रीय अभियान चलाया जाए। दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में वेटलैंड पुनर्स्थापन के सफल मॉडल साबित कर चुके हैं कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और वैज्ञानिक योजना से जल संकट और जलभराव, दोनों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। अब इन्हें देश की शहरी नीति का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा। समय आ गया है कि शहरों की योजना कंक्रीट नहीं, जल के आधार पर बने। किसी भी सड़क, कॉलोनी, फ्लाईओवर, मेट्रो या आवासीय परियोजना को तभी स्वीकृति मिले, जब वह प्राकृतिक जल प्रवाह में बाधा न बने। शहरी नियोजन का हर निर्णय इस सोच पर आधारित हो कि वर्षा का पानी संकट नहीं, भविष्य की जल सुरक्षा का सबसे बड़ा स्रोत है। वर्षा जल का वैज्ञानिक संचयन, भूजल पुनर्भरण और प्राकृतिक जलमार्गों का पुनर्जीवन सुनिश्चित हो जाए, तो आज का यही पानी कल सबसे बड़ी जीवन-संपदा बन सकता है। भारतीय शहर आज ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ विकास की दिशा बदलना अनिवार्य है। प्रकृति से संघर्ष कर कोई सभ्यता लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह सकती। जो विकास प्रकृति को मिटाता है, प्रकृति भी उसे टिकने नहीं देती। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई—हर महानगर यही चेतावनी दे रहा है कि अभी भी समय है। यदि जल-संवेदनशील शहरी नियोजन, उत्तरदायी प्रशासन और प्रभावी जल नीति को तुरंत लागू नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में शहर हर मानसून में डूबेंगे और हर गर्मी में प्यासे रहेंगे। तब इतिहास यही दर्ज करेगा कि हमने पानी को संसाधन नहीं, संकट बना दिया—और यही हमारे विकास मॉडल की सबसे बड़ी विडंबना होगी।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

प्रदेश के सभी जिलों में 'हुनर से आत्मनिर्भरता' का महा-अभियान

प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने तथा युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक और महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा 'एक जनपद-एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जनपदों में व्यापक कौशल विकास अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से कुल 8,525 युवाओं को उनके जिले के प्रमुख पारंपरिक उत्पादों से जुड़े आधुनिक एवं उद्योगोन्मुखी कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की यह पहल स्थानीय उत्पादों को आधुनिक तकनीक, डिजाइन, गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं डिजिटल मार्केटिंग से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार तथा स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे और स्थानीय उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन प्राप्त होगा। उत्तर प्रदेश का हर जिला किसी न किसी खास हुनर और उत्पाद के लिए जाना जाता है। कहीं की साड़ी, कहीं का इत्र, कहीं का ताला तो कहीं का फर्नीचर। लेकिन बदलते समय के साथ ग्राहक की पसंद, डिजाइन और क्वालिटी के मानक भी बदल गए हैं। ऐसे में पारंपरिक कारीगरी को आधुनिक कौशल से जोड़ना जरूरी हो गया है। उ0प्र0 कौशल विकास मिशन का यह अभियान इसी जरूरत को पूरा कर रहा है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को दो चरणों में लागू किया है। प्रथम चरण का शुभारंभ 1 अप्रैल 2026 से किया गया, जिसमें प्रदेश के 17 जनपदों के 1,050 युवाओं को 'एक जनपद एक उत्पाद' आधारित विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रथम चरण की सफलता तथा युवाओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए अब अभियान का विस्तार करते हुए दूसरे चरण में शेष 58 जनपदों के 7,475 युवाओं को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दोनों चरणों को मिलाकर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कुल 8,525 युवाओं को उनके जिले के प्रमुख एक जनपद एक उत्पाद के उत्पादों के निर्माण, डिजाइनिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, डिजिटल मार्केटिंग एवं उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क है और चयनित युवाओं को प्रशिक्षण अवधि में स्टाइपेंड भी दिया जाएगा। कौशल विकास मिशन द्वारा प्रत्येक जिले के प्रमुख पारंपरिक उत्पाद एवं उद्योग की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। इन मॉड्यूल को तैयार करने में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, आईआईटी कानपुर के इनक्यूबेशन सेंटर और स्थानीय एक्सपोर्ट हाउस की मदद ली गई है। प्रशिक्षण का फोकस केवल 'उत्पाद बनाना' सिखाने पर नहीं है, बल्कि 'उत्पाद बेचना' और 'ब्रांड बनाना' सिखाने पर भी है। हर कोर्स में डिजाइन इनोवेशन, लागत घटाना, जीरो डिफेक्ट प्रोडक्शन, आकर्षक पैकेजिंग, ई-कॉमर्स ऑनबोर्डिंग और सोशल मीडिया मार्केटिंग को शामिल किया गया है। प्रथम चरण में एटा में 575 युवाओं को हस्तशिल्प का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यहां पीतल के पारंपरिक घंटों और सजावटी सामान को अब कंटेम्पररी होम डेकोर के हिसाब से बनाया जा रहा है। युवाओं को लेजर कटिंग मशीन, पाउडर कोटिंग, एंटीकफिनिश और अमेजन ग्लोबल सेलिंग की ट्रेनिंग दी जा रही है। मिर्जापुर में 200 युवाओं को कालीन एवं हैंडीक्राफ्ट में डिजिटल लूम चलाना, ऑटो-कैड पर डिजाइन बनाना, नेचुरल डाई का इस्तेमाल और यूरोपीय देशों के सेफ्टीनॉर्म्स सिखाए जा रहे हैं। प्रतापगढ़ में 350 तथा बहराइच में 300 युवाओं को फूड प्रोसेसिंग का प्रशिक्षण मिल रहा है। इसमें आंवला कैंडी, शहद, अचार, रेडी-टू-ईट खिचड़ी और मिलेट बेस्ड स्नैक्स को एफएसएसएआई मानकों के अनुसार बनाना, वैक्यूम पैकेजिंग, न्यूट्रिशन लेबलिंग और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बेचना शामिल है। गौतमबुद्ध नगर में 200 युवाओं को अपैरल एवं फैशनडिजाइनिंग में डिजिटल फैब्रिक प्रिंटिंग, 3डी सैंपलिंग, बायरकम्युनिकेशन और सस्टेनेबलफैशन की ट्रेनिंग दी जा रही है। आगरा में 75 युवाओं को आधुनिक लेदरटेक्नोलॉजी में इटालियनफिनिशिंग, लेजरइंग्रेविंग, आरईएसीएच कंप्लायंस और प्राइवेट लेबलिंग की जानकारी दी जा रही है। दूसरे चरण में वाराणसी के 200 युवाओं को आधुनिक टेक्सटाइल एवं डिजाइनिंग में बनारसी साड़ी को डिजिटल जैक्वार्ड पर बुनना, जीआई टैग का सही इस्तेमाल, इंस्टाग्राम और पिंटरेस्ट से इंटरनेशनल कस्टमर तक पहुंचना सिखाया जाएगा। गोंडा के 250 युवाओं को दलहन आधारित फूडप्रोसेसिंग में पैकेज्ड दाल, बेसन, सत्तू, प्रोटीन बार बनाना और होटल-रेस्तरां चेन को बी2बी सप्लाई करना सिखाया जाएगा। महाराजगंज एवं पीलीभीत के 500 युवाओं को आधुनिक फर्नीचर एवं वुडन फिटिंग निर्माण में सीएनसी मशीन ऑपरेशन, फ्लैट-पैक फर्नीचर डिजाइन, नॉक-डाउन फिटिंग और डी2सी ब्रांड बनाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। अन्य जनपदों में भी उनके प्रमुख उत्पादों के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। लखनऊ की चिकनकारी को लक्जरी फैशन ब्रांडिंग, कानपुर के लेदर गुड्स को वेजिटेबल टैनिंग और यूरोपीय एक्सपोर्ट, फिरोजाबाद के कांच को मॉडर्न लाइटिंग और आर्ट इंस्टालेशन, मुरादाबाद के पीतल को 3डी प्रिंटेड मोल्ड और कंटेनर शिपमेंट, सहारनपुर की लकड़ी नक्काशी को स्कैंडिनेवियन डिजाइन, भदोही की कालीन को कस्टम साइज और वॉल-टू-वॉल कारपेट, कन्नौज के इत्र को अल्कोहल-फ्री अत्तर और गल्फ मार्केट, अलीगढ़ के ताले को स्मार्ट लॉक और बायोमेट्रिक सिस्टम से जोड़ा जाएगा। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में केवल पारंपरिक उत्पादन तकनीकों तक ही प्रशिक्षण सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवाओं को आधुनिक मशीनों का संचालन, गुणवत्ता प्रबंधन, आकर्षक पैकेजिंग, ई-कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग, ब्रांडिंग, उद्यमिता विकास तथा उद्योगों की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप भी प्रशिक्षित किया जाएगा। हर बैच को 'कैपस्टोन प्रोजेक्ट' करना होगा, जिसमें वे अपने प्रोडक्ट का प्रोटोटाइप, कॉस्ट शीट, पैकेजिंग डिजाइन और 30 सेकंड की रील बनाकर जमा करेंगे। बेस्ट तीन प्रोजेक्ट को 'ओडीओपी इनोवेशन अवॉर्ड' के साथ 5 लाख रुपये तक की सीडमनी दी जाएगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद युवाओं को प्रतिष्ठित उद्योगों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण एवं मुद्रा योजना सहित अन्य वित्तीय सहायता योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा। कौशल विकास मिशन ने सिडबी, नाबार्ड, जिला उद्योग केंद्र और प्रमुख बैंकों के साथ मिलकर 'क्रेडिट प्लस स्किल' मॉडल बनाया है। इसके तहत ट्रेनिंग पूरी करने वाले युवा को 24 घंटे में लोन अप्रूवल की सुविधा मिलेगी। हर जिले में ओडीओपी रोजगार मेला लगेगा, जिसमें फ्लिपकार्ट समर्थ, अमेजनकरिगर, रिलायंस रिटेल, एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल जैसी संस्थाएं हिस्सा लेंगी। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने प्रशिक्षण प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल एवं पारदर्शी बनाया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी मिशन की आधिकारिक वेबसाइट नचेकउण्हवअण्पद पर जाकर ओडीओपी लिंक के माध्यम से अपने जिले के प्रशिक्षण केंद्र, उपलब्ध ट्रेड, प्रशिक्षण प्रदाता संस्थान तथा आवेदन संबंधी सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। हर क्लास रूम में बायोमेट्रिक अटेंडेंस, सीसीटीवी लाइव स्ट्रीमिंग और एआई बेस्डअसेसमेंट होगा। पास होने वाले युवाओं को स्किल इंडिया डिजिटल वॉलेट में एनसीवीईटी सर्टिफिकेट मिलेगा, जिसे क्यू.आर कोड से वेरिफाई किया जा सकेगा। यह अभियान 'हुनर से आत्मनिर्भरता' को सिर्फ नारा नहीं, बल्कि जमीन पर उतरता हुआ मॉडल बना रहा है। जब हर जिले का युवा अपने हुनर से कमाएगा और हर जिले का उत्पाद दुनिया के बाजार में बिकेगा, तभी उत्तर प्रदेश सही मायने में 'उद्यम प्रदेश' बनेगा।

धर्मवीर खरे

समुद्र से हो सकता है पेयजल मंथन

देश के अनेक शहरों और गांवों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। नदियां प्रदूषित हो रही हैं, वर्षा का स्वरूप अनिश्चित होता जा रहा है और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बढ़ती आबादी, तेजी से हो रहे शहरीकरण और औद्योगिक विकास के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। तीन ओर से समुद्र से घिरे भारत के सामने जल का असीमित भंडार मौजूद है। पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत भाग समुद्रों में खारे पानी के रूप में है, जबकि केवल लगभग 2.5 प्रतिशत जल मीठा है। इसमें भी अधिकांश जल हिमनदों और बर्फ की चादरों में बंद है तथा मानव उपयोग के लिए सीधे उपलब्ध मीठा जल एक प्रतिशत से भी कम है। ऐसे में समुद्री जल को शुद्ध कर उपयोग योग्य बनाना भविष्य की आवश्यकता बनता जा रहा है।आज आधुनिक विज्ञान की सहायता से समुद्री जल से नमक और अन्य अशुद्धियां हटाकर उसे पेयजल में परिवर्तित किया जा सकता है। इसे समुद्री जल शोधन कहा जाता है। विश्व के अनेक देशों ने इसे अपनी जल सुरक्षा की आधारशिला बना लिया है। भारत के लिए भी अब इस दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ने का समय आ गया है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान जैसे देशों में प्राकृतिक मीठे जल के स्रोत अत्यंत सीमित हैं। वहां वर्षा नगण्य होती है और अधिकांश भूभाग रेगिस्तान है। इसके बावजूद वहां नागरिकों को चौबीसों घंटे सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। इसका प्रमुख कारण समुद्री जल शोधन संयंत्र हैं। भारत की स्थिति खाड़ी देशों से अलग अवश्य है, लेकिन चुनौतियां कम नहीं हैं। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है, जबकि मीठे जल संसाधनों में उसकी हिस्सेदारी केवल लगभग 4 प्रतिशत है। देश में उपलब्ध मीठे जल का लगभग 80 प्रतिशत उपयोग कृषि क्षेत्र करता है। दूसरी ओर, उद्योगों और शहरों की बढ़ती आवश्यकताओं ने जल संकट को और गहरा कर दिया है। सबसे बड़ी चिंता भूजल का लगातार दोहन है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। कई क्षेत्रों में हर वर्ष लगभग एक मीटर तक जल स्तर गिरने की रिपोर्ट सामने आती रही है।

मुख्यमंत्री आवास योजना से फिरोजाबाद में संवर रहे वंचितों के आशियाने

उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार अंत्योदय के अपने मूल संकल्प को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सभी प्रमुख सरकारी योजनाओं का लाभ पूरी संवेदनशीलता के साथ पहुंचा रही है। राज्य सरकार की इस लोक-कल्याणकारी नीति का सबसे प्रभावी और जीवंत रूप फिरोजाबाद जनपद में देखने को मिल रहा है, जहां विकास की मुख्यधारा से कटे और उपेक्षित परिवारों के जीवन में 'मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)' खुशहाली का एक नया सवेरा लेकर आई है। विशेष रूप से जनपद के शिकोहाबाद विकास खंड की ग्राम पंचायत असुआ की रहने वाली माया देवी की कहानी शासन के इसी संकल्प की एक जीवंत और अनुपम मिसाल है। पति की आकस्मिक मृत्यु के बाद दुख में डूबी माया देवी के लिए यह योजना एक नई रोशनी बनकर आई, जिसने न केवल उनके सिर पर सुरक्षित छत दी, बल्कि उनके बच्चों के भविष्य को भी पूरी तरह सुरक्षित किया। पति के निधन के बाद माया देवी के जीवन में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। दो छोटे बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी और रहने के लिए कोई पक्का मकान न होना उनकी सबसे बड़ी व्यथा थी। वे अपने परिवार के साथ तिरपाल से बनी एक अत्यंत जर्जर और कच्ची झुग्गी में रहने को मजबूर थीं। बारिश और हाड़ कंपाने वाली ठंड के मौसम में ऐसी कच्ची झुग्गी में समय काटना किसी भयानक चुनौती से कम नहीं था, साथ ही उन्हें हमेशा अपने और बच्चों की सुरक्षा का डर सताता रहता था। जब माया देवी को जानकारी हुई कि प्रदेश सरकार विधवाओं और निराश्रित महिलाओं को विशेष प्राथमिकता के आधार पर आवास मुहैया करा रही है, तो उन्होंने आवेदन किया। पात्रता सर्वे के दौरान प्रशासन द्वारा उन्हें उपयुक्त पाया गया और योजना के तहत उनके आवास की स्वीकृति मिल गई। सरकार द्वारा आवास निर्माण के लिए ?1 लाख 20 हजार की कुल राशि तीन किस्तों (?40 हजार, ?70 हजार और ?10 हजार) में सीधे उनके खाते में भेजी गई। पारदर्शिता की दृष्टि से इस संपूर्ण सहायता राशि को बिचौलियों के हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त रखा गया है। 'आवास सॉफ्ट' जैसे अत्याधुनिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण और त्वरित भौतिक सत्यापन करने के उपरांत यह राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' के माध्यम से निर्माण कार्य की प्रगति के अनुरूप भेजी जाती है, जिससे सरकारी धन का शत-प्रतिशत सदुपयोग केवल और केवल एक सुदृढ़ मकान के निर्माण में ही सुनिश्चित हो रहा है। प्रदेश सरकार ने संवेदनशीलता के साथ विभिन्न जनोपयोगी योजनाओं का आपसी समन्वय (कन्वर्जेंस) करके लाभार्थियों को बहुआयामी आर्थिक संबल दिया। इसी कल्याणकारी कड़ी में, माया देवी को आवास निर्माण के साथ-साथ 90 दिन की मनरेगा मजदूरी के रूप में ?22,680 की अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। इस दोहरे एवं दूरगामी सहयोग ने उन्हें आर्थिक रूप से टूटने से बचा लिया और वह पूरे सम्मान के साथ अपना घर बना सकीं। इसके साथ ही, उन्हें 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन से भी लाभान्वित किया गया, जिसने उन्हें धुएं से मुक्ति और स्वच्छ ईंधन का उपहार दिया। आज माया देवी का पक्का मकान पूरी तरह बनकर तैयार है, जहां वे अपने बच्चों के साथ पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती हैं और एक खुशहाल जीवन जी रही हैं। इस घर ने उनके बच्चों को शिक्षा के लिए एक बेहतर माहौल दिया है, जिससे उनके जीवन में एक सुनहरे भविष्य की शुरुआत हुई है। माया देवी जैसी पात्र महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर आवास, उज्ज्वला योजना और मनरेगा मजदूरी का सामूहिक लाभ देकर समाज के सबसे वंचित और जरूरतमंद वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना ही शासन का मुख्य उद्देश्य है। शासन के स्पष्ट निर्देशानुसार प्रशासन का निरंतर यही प्रयास है कि जनपद में कोई भी पात्र व्यक्ति आवास विहीन न रहे। महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समावेशन को इस पूरी योजना का सबसे मजबूत स्तंभ बनाया गया है। आवेदनों की बारीकी से जांच और चयन प्रक्रिया के दौरान शासन द्वारा महिलाओं, विशेषकर विधवाओं, एकल माताओं और महिला प्रधान परिवारों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

मेष -मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन आत्मविश्वास और उत्साह से भरपूर रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपकी योग्यता की सराहना हो सकती है और जिम्मेदारियां बढ़ने के साथ सम्मान भी प्राप्त होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत करने का अवसर मिलेगा।

वृषभ-वृषभ राशि के जातकों के लिए आज पारिवारिक जीवन सुखद रहने की संभावना है। घर की आवश्यकताओं और सुविधाओं पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन इससे संतुष्टि का अनुभव होगा।

मिथुन -मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन आत्मविश्वास में वृद्धि कराने वाला रहेगा। आपकी वाणी और व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे, जिससे नए संपर्क बनने की संभावना है।

कर्क-कर्क राशि के जातकों के लिए आज आर्थिक मामलों में राहत मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। परिवार में आपसी सामंजस्य बना रहेगा और घरेलू वातावरण सुखद रहेगा।

सिंह -सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन प्रभावशाली रहने वाला है। आपका आत्मविश्वास और आकर्षण बढ़ेगा, जिससे कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं खुल सकती हैं। नौकरी और व्यापार में आपकी छवि मजबूत होगी।

कन्या -कन्या राशि के जातकों को आज अपने खर्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। दूर स्थानों या विदेश से जुड़े कार्यों में सफलता मिलने के संकेत हैं। मानसिक रूप से आप पहले की तुलना में अधिक शांत महसूस करेंगे।

तुला-तुला राशि के जातकों के लिए आज आय और लाभ के नए अवसर बन सकते हैं। मित्रों तथा वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलने से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ बढ़ने की संभावना है। पुराने निवेश से भी अच्छा प्रतिफल मिल सकता है। प्रेम संबंधों में विश्वास और सामंजस्य बना रहेगा।

वृश्चिक -वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा मजबूत होगी। व्यापार में नई साझेदारी या महत्वपूर्ण समझौता होने की संभावना है।

धनु -धनु राशि के जातकों के लिए आज भाग्य का पूरा साथ मिलने की संभावना है। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर से जुड़े प्रयासों में सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं।

मकर -मकर राशि के जातकों को आज निवेश और साझेदारी से जुड़े मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए। अचानक आर्थिक लाभ मिलने की संभावना बन रही है। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और परिवार का सहयोग मिलेगा। **कुंभ** -कुंभ राशि के जातकों के लिए आज संबंधों को मजबूत करने वाला दिन रहेगा। वैवाहिक जीवन में खुशियां बढ़ेंगी और आपसी विश्वास मजबूत होगा। व्यापारिक साझेदारी से लाभ मिलने के संकेत हैं।

मीन -मीन राशि के जातकों के लिए आज मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी और सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य पहले की तुलना में बेहतर रहेगा। दैनिक कार्य समय पर पूरे होंगे तथा आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

सिर्फ सजावट नहीं, सेहत का भी ख्याल रखता है स्नेक प्लांट

आजकल लोग अपने घरों और कार्यालयों को हरा-भरा और आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के इनडोर पौधे लगाते हैं। इन्हीं में से एक है स्नेक प्लांट (संसेविएरिया), जो अपनी खूबसूरत लंबी पत्तियों के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी कई लाभों के लिए भी जाना जाता है। यह ऐसा पौधा है जो कम देखभाल में आसानी से बढ़ता है और घर के वातावरण को बेहतर बनाने में मदद करता है। स्नेक प्लांट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हवा को शुद्ध करने में सहायक माना जाता है। यह वातावरण में मौजूद कुछ हानिकारक तत्वों जैसे फॉर्मल्डिहाइड, बेंजीन और ट्राइक्लोरोएथिलीन जैसे प्रदूषकों के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। यही कारण है कि इसे घर, कार्यालय और अन्य

इनडोर स्थानों के लिए एक लोकप्रिय पौधा माना जाता है। इस पौधे की एक और खास बात यह है कि यह रात के समय भी ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे नींद अच्छी आती है और हवा शुद्ध रहती है। यह हवा में मौजूद टॉक्सिन्स जैसे फार्मल्डिहाइड, बेंजीन और ट्राइक्लोरोएथिलीन को कम करता है। इसी वजह से कई लोग इसे बेडरूम में रखना पसंद करते हैं। स्नेक प्लांट मानसिक सुकून देने में भी मददगार माना जाता है। घर या कार्यस्थल पर हरियाली का होना तनाव कम करने और सकारात्मक माहौल बनाने में सहायक हो सकता है। इसकी सादगी और आकर्षक बनावट कमरे की सुंदरता बढ़ाने के साथ मन को भी ताजगी का एहसास कराती है।

यदि आप ऐसे पौधे की तलाश में हैं जिसकी देखभाल आसान हो तो स्नेक प्लांट एक अच्छा विकल्प है। इसे बार-बार पानी देने की आवश्यकता नहीं होती। सामान्यतः सप्ताह में एक बार या मिट्टी पूरी तरह सूखने पर ही पानी देना पर्याप्त रहता है। अधिक पानी देने से इसकी जड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। यह अप्रत्यक्ष धूप या हल्की रोशनी में भी अच्छी तरह बढ़ता है, इसलिए व्यस्त जीवनशैली वाले लोगों के लिए यह उपयुक्त पौधा है।

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

कैशलेस के साथ 10 लाख शिक्षक-कार्मिकों को मिलेगा ग्रुप लाइफ इंश्योरेंस कवर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग अपने शिक्षकों, शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइयां, शासकीय व अनुबंधित कार्मिक सभी को सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा देने के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ एमओयू करेगा। इससे विभाग के लगभग 4.50 लाख स्थायी तथा 5.50 लाख संविदा कार्मिक एसबीआई के विशेष सैलरी पैकेज में बीमा सुरक्षा से जुड़ेंगे। यह एमओयू मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आठ जुलाई को वाराणसी में होने वाले कैशलेस चिकित्सा सुविधा व डीबीटी वितरण कार्यक्रम में होगा। प्रस्ताव के अनुसार जिन स्थायी कार्मिकों का वेतन 10 हजार रुपये से अधिक है, उन्हें 10 लाख रुपये का ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा। इसके साथ ही एक करोड़ रुपये का पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर, एक करोड़ रुपये का स्थायी दिव्यांगता बीमा कवर और 1.60 करोड़ रुपये तक का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर मिलेगा। साथ ही अनहोनी की स्थिति में कार्मिकों के बच्चों की शिक्षा और बेटियों के विवाह के लिए भी एड ऑन कवर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे शिक्षकों-कर्मचारियों के परिवार को भी आर्थिक सुरक्षा मिलेगी।एमओयू के तहत 10 हजार रुपये से अधिक कुल मासिक वेतन पाने वाले संविदा कार्मिकों को 30 लाख रुपये तक का पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर मिलेगा। स्थायी विकलांगता की स्थिति में 30 लाख तथा आंशिक विकलांगता में 15 लाख का इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा। इसके अलावा एयर एक्सीडेंट की स्थिति में 30 लाख का इंश्योरेंस कवर भी मिलेगा। किसी अनहोनी होने पर कार्मिकों के बच्चों की पढ़ाई व बेटियों के विवाह के लिए भी एड-ऑन कवर भी दिया जाएगा। वहीं 10 हजार से कम नेट मासिक वेतन पाने वाले कार्मिकों को जीरो बैलेंस खाते व रुपे डेबिट कार्ड के आधार पर 1 लाख का इंश्योरेंस कवर दिया जाएगा। एमओयू लागू होने के बाद जिन कार्मिकों के वेतन खाते पहले से भारतीय स्टेट बैंक में हैं, उन्हें एसबीआई के सैलरी पैकेज में बदला जाएगा। जिन कार्मिकों के वेतन खाते भारतीय स्टेट बैंक में नहीं हैं, उन्हें एसबीआई में वेतन खाता खोलने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि वे भी एमओयू के अंतर्गत उपलब्ध सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने सीएम की उपस्थिति में होने वाले एमओयू के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए हैं। ताकि अधिक से अधिक शिक्षक और कर्मचारी इस पहल से अवगत हो सकें। महानिदेशक ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि वे एसबीआई के स्थानीय अधिकारियों से समन्वय करके उनकी जिलों के कार्यक्रमों में सहभागिता सुनिश्चित करें। साथ ही एमओयू के उद्देश्यों और उससे मिलने वाले लाभों से अवगत भी कराएं। बता दें कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का सभी जिलों में लाइव किया जाएगा।

यूपीटीईटी-2026 शांतिपूर्ण संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार की नकलविहीन एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के तहत विज्ञापन संख्या-01/uptet/2026 शिक्षक पात्रता परीक्षा प्राइमरी स्तर (कक्षा 1 से 5) एवं उच्च प्राइमरी स्तर (कक्षा 6 से 8) की लिखित परीक्षा 02, 03 एवं 04 जुलाई 2026 को प्रदेश के सभी 60 जनपदों में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि 02 जुलाई, 2026 की दो पालियों एवं 03 जुलाई 2026 की प्रथम पाली में उच्च प्राइमरी स्तर की परीक्षा आयोजित की गयी, जिसमें कुल पंजीकृत 12,11,459 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 10,57,055 अभ्यर्थियों अर्थात 87.25 प्रतिशत ने प्रतिभाग किया। 03 जुलाई 2026 की द्वितीय पाली एवं 04 जुलाई 2026 की प्रथम पाली में प्राइमरी स्तर की परीक्षा हुई, जिसमें पंजीकृत 7,83,202 परीक्षार्थियों में से 7,13,659 अभ्यर्थियों अर्थात 91.12 प्रतिशत ने परीक्षा दी। उच्च प्राइमरी स्तर की परीक्षा में महिला अभ्यर्थियों की प्रतिभागिता 87.00 प्रतिशत एवं प्राइमरी स्तर की परीक्षा में 90.85 प्रतिशत रही।

शनिवार 04 जुलाई को प्रथम पाली में प्रदेश के 955 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित परीक्षा में 3,79,316 पंजीकृत अभ्यर्थियों के सापेक्ष 3,34,775 अर्थात 88.00 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रकार कुल पंजीकृत 19,94,661 परीक्षार्थियों में से 17,70,714 कुल 88.77 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया।

सभी 60 जनपदों में सदस्यगण व सेवानिवृत्त आईएएस व आईपीएस को प्रेक्षक के रूप में नामित किया गया था। सभी प्रेक्षकों ने परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्रों का अनवरत भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान आयोग में स्थापित ।प् प्दजमहतंजमक ब्वदजतवस ब्वउउंदक त्ववउ से अध्यक्ष, सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं उपसचिव की उपस्थिति में सभी परीक्षा केन्द्रों की सघन निगरानी की गयी तथा परीक्षा केन्द्रों पर लगे ।.ए कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर सतत् दृष्टि रखी गयी।

।ण्ण् आधारित सॉफ्टवेयर की मदद से परीक्षा के दौरान संदिग्धों की जाँच के पश्चात् प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 02 जुलाई 2026 को 14, 03 जुलाई 2026 को 11 एवं दिनांक 04 जुलाई 2026 को 19 कुल 44 फर्जी परीक्षार्थी जो दूसरे परीक्षार्थी के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़े गये एवं 03 जुलाई 2026 को एक अभ्यर्थी को परीक्षा कक्ष में मोबाइल से नकल के प्रयास में पकड़ा गया। उक्त सभी के विरूद्ध अग्रेतर विधिक कार्यवाही हेतु स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के सभी निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा सुचारू रूप से पारदर्शी, नकल विहीन, शुचितापूर्ण, निर्विघ्न एवं ससमय सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुई।

अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने शिक्षक पात्रता परीक्षा के सफल संचालन में सम्बन्धित जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन, सतर्कता विभाग एवं एसटीएफ के सक्रिय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही सभी परीक्षार्थियों, केन्द्र व्यवस्थापकों, प्रेक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों/सहयोगियों के प्रति आयोग की ओर से आभार प्रकट किया।

बच्चों की आम खाने की प्रतियोगिता में दिखा जबरदस्त उत्साह

27 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर में आयोजित आम महोत्सव-2026 के दूसरे दिन शनिवार को बच्चों के लिए आयोजित आम खाने की प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। योगी सरकार की पहल पर आयोजित इस प्रतियोगिता में 8 से 12 वर्ष आयु वर्ग के 27 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और निर्धारित समय में अधिक से अधिक आम खाने की चुनौती स्वीकार की। प्रतियोगिता के तहत प्रत्येक प्रतिभागी को दो-दो किलोग्राम आम दिए गए। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जबकि आयोजन स्थल बच्चों की किलकारियों और दर्शकों की तालियों से गूंज उठा। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार 10 मिनट की निर्धारित अवधि में सर्वाधिक मात्रा में आम खाने वाले बच्चों को विजेता घोषित किया जाएगा। विजेताओं को महोत्सव के समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार आम महोत्सव का अंतिम दिन 5 जुलाई को खाद्य प्रसंस्करण विषय पर आयोजित तकनीकी सत्र से शुरू होगा, जिसमें विशेषज्ञ आम आधारित प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और आधुनिक तकनीकों पर विस्तार से जानकारी देंगे। महोत्सव का भव्य समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह रविवार शाम 4 बजे आयोजित होगा। समारोह में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तथा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रदर्शनी और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

आम महोत्सव-2026 के दूसरे दिन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तकनीकी सत्र सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार की पहल पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026' के दूसरे दिन शनिवार को उद्यान विभाग के उच्चाधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों और प्रदेशभर से आए प्रगतिशील आम उत्पादक किसानों के बीच एक तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस तकनीकी सत्र का मुख्य उद्देश्य आम की बागवानी को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना, फसलों की गुणवत्ता में सुधार करना और किसानों की आय को दोगुना करने के उपायों पर गहन मंथन करना था। सत्र के दौरान विशेष रूप से आम के विपणन, प्रसंस्करण और निर्यात की संभावनाओं पर बल दिया गया। वैज्ञानिकों और निर्यात विशेषज्ञों ने किसानों को समझाया कि कैसे सही पैकेजिंग और ब्रांडिंग के जरिए वे अपने उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचा सकते हैं। विशेषज्ञों ने पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन, मूल्य संवर्धन, निर्यात मानकों, प्राकृतिक खेती तथा स्टार्टअप की संभावनाओं पर किसानों को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही आम की सुरक्षित तुड़ाई, भंडारण और ग्रेडिंग की आधुनिक विधियों से अवगत कराया गया ताकि प्रदेश के विश्वप्रसिद्ध आमों को वैश्विक बाजार में सही मूल्य मिल सके।

उद्यान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि योगी सरकार किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री, वैज्ञानिक परामर्श तथा बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराकर बागवानी को नई ऊंचाइयों तक ले जा रही है। प्रदेश सरकार का लक्ष्य आम उत्पादकों को वैश्विक बाजार से जोड़कर उनकी आय में बढ़ोतरी करना है। तकनीकी सत्र में एपीडा, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ, एफपीओ प्रतिनिधि तथा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विशेषज्ञ भी शामिल हुए।

योगी सरकार द्वारा तीन दिवसीय 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026' के दूसरे दिन शनिवार को जन भवन, लखनऊ में 'मैंगो बायर-सेलर मीट' का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह उपस्थित रहें। इस मीट में आम निर्यातकों और उत्पादकों के बीच अनुबंध (डवन) हुए, जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के किसानों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों से सीधे जोड़कर आमों को वैश्विक बाजार और सही मूल्य दिलाना था। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश की भारत के कुल आम उत्पादन में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने उद्योगपतियों से खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ लगाने का आग्रह किया और योगी सरकार द्वारा 50 प्रतिशत तक सब्सिडी का उल्लेख किया। उद्यान मंत्री ने जेवर एयरपोर्ट बनने से आमों के निर्यात में आसानी और किसानों की आय में वृद्धि की संभावना पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राज्य की कुल कृषि भूमि में उद्यान फसलों का क्षेत्रफल केवल 9 प्रतिशत होने के बावजूद, उनका उत्पादन में 42 प्रतिशत और मूल्य में 52 प्रतिशत योगदान है।

डालमिया चीनी मिल जवाहरपुर में मंडलीय गन्ना विकास समीक्षा बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रामकोट सीतापुर। उप गन्ना आयुक्त, लखनऊ राजेशधर द्विवेदी के निर्देशन में शनिवार को डालमिया चीनी मिल, जवाहरपुर के सभागार में मंडलीय गन्ना विकास समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लखनऊ मंडल की सभी चीनी मिलों के गन्ना विकास कार्यों एवं आगामी पेराई सत्र की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उप गन्ना आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों एवं चीनी मिल प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गन्ना विकास कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। उन्होंने आगामी पेराई सत्र की सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी करने तथा विभागीय योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में गन्ना सर्वे, विकास कार्य, समिति संचालन तथा अन्य विभागीय बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मंडल के सभी जिला गन्ना अधिकारी, महाप्रबंधक (गन्ना), समिति सचिव, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। डालमिया चीनी मिल जवाहरपुर की ओर से महाप्रबंधक (गन्ना) आज़ाद सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान जवाहरपुर चीनी मिल के सहायक अधिशासी निदेशक सुधीर वर्मा ने उप गन्ना आयुक्त राजेशधर द्विवेदी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सूरज कुमार तिवारी, पुत्र श्री कृष्ण कुमार तिवारी उर्फ कृशन कुमार तिवारी, निवासी ग्राम पंचायत भुड़कुड़ी, थाना खरगूपुर, विकास खंड रूपईडीह, जनपद गोंडा (उत्तर प्रदेश) का मूल निवासी हूँ।

मेरे पैन कार्ड में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम रमेश चन्द्र तिवारी अंकित हो गया है, जबकि मेरे समस्त शैक्षिक, राजस्व एवं अन्य अभिलेखों में मेरे पिता का सही नाम श्री कृष्ण कुमार तिवारी उर्फ कृशन कुमार तिवारी (Krishna Kumar Tiwari alias Krishan Kumar Tiwari) दर्ज है।

अतः मैं अपने सभी वर्तमान एवं भावी अभिलेखों/दस्तावेजों में मेरे पिता का सही नाम श्री कृष्ण कुमार तिवारी उर्फ कृशन कुमार तिवारी (Krishna Kumar Tiwari alias Krishan Kumar Tiwari) दर्ज कराना चाहता हूँ। भविष्य में मेरे पिता के नाम के संबंध में यही नाम सही एवं मान्य माना जाए।

घर से हॉस्टल के लिए निकले युवक का खून से लथपथ मिला शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मृतक मनोज शुक्ला

महमूदाबाद। सीतापुर स्थानीय कस्बा अंतर्गत मोहल्ला शहजानी क्षेत्र के बरदही बाजार में बीती रात उस समय हड़कंप मच गया और सनसनी फैल गई, जब सड़क किनारे एक युवक का लहूलुहान शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। मृतक की पहचान महमूदाबाद के रामकुंड चौराहा निवासी मनोज शुक्ला के रूप में की गई है। शव मिलने की खबर जंगल में आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई, जिसके बाद मौके पर स्थानीय नागरिक और राहगीरों की भारी भीड़ जुट गई। मंजर इतना खौफनाक था कि जिसने भी शव को देखा, उसकी रूह कांप उठी। घर से हॉस्टल के लिए निकले थे मनोज शुक्ला, फिर नहीं लौटे परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक, मनोज शुक्ला रात करीब 8 से साढ़े 8 बजे के बीच अपने घर से हॉस्टल जाने के लिए निकले थे। जब काफी देर बीत जाने के बाद भी वह वापस नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता होने लगी। उन्होंने मनोज के मोबाइल पर कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन लगातार बजता रहा और कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका को देखते हुए परिजनों ने तुरंत उनकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद, परिजनों को मनोज का शव बरदही इलाके में मुख्य मार्ग के किनारे झाड़ियों के पास खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। शव को देखते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई और उन्होंने बिना वक्त गंवाए तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि युवक के सिर पर किसी भारी वस्तु, कुल्हाड़ी या धारदार हथियार से कई बार बेरहमी से वार किए गए प्रतीत होते है। सिर पर गहरे और जानलेवा जख्मों के निशान साफ तौर पर चीख-चीख कर बयां कर रहे हैं कि यह कोई सामान्य हादसा नहीं, बल्कि बेहद क्रूरता से अंजाम दी गई हत्या की वारदात है। रात के अंधेरे में पुलिस महकमे में मची खलबली, मौके पर पहुंची फॉरेंसिक व डॉग स्क्वायड टीम घटना की सूचना मिलते ही महमूदाबाद कोतवाली पुलिस बिना एक पल गंवाए भारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंची। अंधेरी रात में टॉर्च और पुलिस वाहनों की लाइटों के सहारे घटनास्थल की घेराबंदी की गई। मामले की संवेदनशीलता और हत्या की क्रूरता को देखते हुए तत्काल जिला मुख्यालय सीतापुर से फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स और डॉग स्क्वायड की टीम को भी मौके पर बुला लिया गया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से खून से सनी मिट्टी, फिंगरप्रिंट्स के निशान और अन्य महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए हैं। पुलिस ने साक्ष्यों की सुरक्षा के लिए आस-पास के इलाके को सील कर दिया है और रास्तों पर गहन तलाशी अभियान चलाया ताकि हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार या कोई अन्य सुराग हाथ लग सके। पुरानी रंजिश, आपसी विवाद या कोई गहरा राज? हर एंगल पर तफ्तीश इस सनसनीखेज वारदात को लेकर पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और तरह-तरह की चर्चाएं आम हैं। पुलिस के आला अधिकारियों का कहना है कि वे इस मामले में हर एक पहलू को बहुत ही बारीकी से खंगाल रहे हैं, पहला एंगल कि क्या युवक की किसी से पुरानी दुश्मनी या रंजिश चल रही थी? दूसरा एंगल कि क्या देर रात किसी बात को लेकर दोस्तों या जान-पहचान वालों से कोई विवाद हुआ, जो खूनी खेल में बदल गया? तीसरा एंगल कि क्या किसी सोची-समझी साजिश के तहत युवक को सुनसान जगह पर बुलाकर मौत के घाट उतारा गया? पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को अंत्यपरीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सटीक समय और सिर पर किए गए वार के हथियार के बारे में आधिकारिक पुष्टि हो पाएगी। परिजनों की तहरीर और मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात/संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, जल्द ही इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझा लिया जाएगा और वारदात को अंजाम देने वाले हत्यारे सलाखों के पीछे होंगे। इस जघन्य अपराध के बाद से मृतक मनोज शुक्ला के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय जनता में भारी आक्रोश और खौफ व्याप्त है, और लोग पुलिस से अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

एसपी ने कहा कि 'प्रथम दृष्टया मर्डर, वैज्ञानिक तरीके से हो रही जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वयं सीतापुर के पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक, एसओजी टीम और पुलिस क्षेत्राधिकारी ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने आधिकारिक बयान देते हुए पुलिस की त्वरित कार्रवाई की जानकारी दी। पुलिस कार्रवाई के मुताबिक पीड़ित परिवार द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के एक विशेष पैनल द्वारा कराया गया है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है। मामले में नामजद किए गए कुछ आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, वहीं अन्य संदिग्धों को भी पूछताछ के लिए बैठाया जा रहा है। पीड़ित परिवार की तहरीर पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पैनल के डॉक्टरों और वीडियोग्राफी के माध्यम से पोस्टमार्टम कराया गया है। घटनास्थल का मेरे, एडिशनल एसपी, एसओजी और सीओ साहब द्वारा मुआयना किया गया है। प्रथम दृष्टया यह मामला मर्डर का लग रहा है। हम सभी एंगल से और पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से इस मामले की जांच कर रहे हैं। कुछ नामजद लोगों को पूछताछ के लिए बैठाया गया है। जल्द ही घटना का अनावरण कर सच्चाई सामने लाई जाएगी और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। – अंकुर अग्रवाल, एसकसीतापुर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं विपुल, पुत्र श्री कृष्ण कुमार तिवारी उर्फ कृशन कुमार तिवारी, निवासी ग्राम पंचायत भुड़कुड़ी, थाना खरगूपुर, विकास खंड रूपईडीह, जनपद गोंडा (उत्तर प्रदेश) का मूल निवासी हूँ।

मेरे पैन कार्ड में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम रमेश चन्द्र तिवारी अंकित हो गया है, जबकि मेरे समस्त शैक्षिक, राजस्व एवं अन्य अभिलेखों में मेरे पिता का सही नाम श्री कृष्ण कुमार तिवारी उर्फ कृशन कुमार तिवारी (Krishna Kumar Tiwari alias Krishan Kumar Tiwari) दर्ज है।

अतः मैं अपने समस्त वर्तमान एवं भविष्य के अभिलेखों/दस्तावेजों में मेरे पिता का सही नाम श्री कृष्ण कुमार तिवारी उर्फ कृशन कुमार तिवारी (Krishna Kumar Tiwari alias Krishan Kumar Tiwari) दर्ज कराना चाहता हूँ। भविष्य में मेरे पिता के नाम के संबंध में यही नाम सही एवं मान्य माना जाए तथा सभी अभिलेखों में इसी नाम से दर्ज किया जाए।

अखण्ड भारत पुनर्निर्माण में सहकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : जे.पी.एस. राठौर

सहकारिता भारतीय जीवनशैली, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से जुड़ी हुई व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस की पूर्व संध्या पर भारत-तिब्बत समन्वय संघ द्वारा आयोजित 'अखण्ड भारत पुनर्निर्माण में सहकारिता की भूमिका' विषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे.पी.एस. राठौर ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री राठौर ने कहा कि भारत-तिब्बत समन्वय संघ द्वारा इस महत्वपूर्ण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एक अभिनव एवं दूरदर्शी पहल है। उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल एक आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाली एक सशक्त भावना है। जब सहकारिता संस्कार और सेवा भाव के साथ कार्य करती है, तब उसके परिणाम समाज और राष्ट्र के लिए अत्यंत सकारात्मक होते हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना तथा उसके नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र में किए गए सुधारों ने देश में सहकारिता आंदोलन को नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों, युवाओं और छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अपने संबोधन में श्री राठौर ने गुजरात के अमूल मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों की सामूहिक शक्ति ने यह सिद्ध किया कि छोटे-छोटे संसाधनों को संगठित कर बड़े आर्थिक परिवर्तन संभव हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भरता पहुँचाना है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार सहकारिता क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए नई नीतियाँ, उपविधियाँ एवं योजनाएँ लागू कर रही है। सहकारिता के माध्यम से प्रारंभ की गई भारत टैक्सी जैसी पहल रोजगार, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण का नया मॉडल बनकर उभर रही है तथा सरकार इसे संस्थागत सहयोग एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता भारतीय जीवनशैली, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से जुड़ी हुई व्यवस्था है। बेरोजगारी जैसी चुनौतियों का समाधान भी सहकारिता के माध्यम से किया जा सकता है। छोटे-छोटे किसान समूह बनाकर कृषि, डेयरी एवं अन्य व्यवसायों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'बिना संस्कार, नही सहकार' की भावना के साथ कार्य करने पर भ्रष्टाचार एवं अराजकता जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में व्यापक सुधार किए गए हैं। बंद पड़े 16 जिला सहकारी बैंकों को पुनर्जीवित किया गया तथा आज प्रदेश के 50 में से 46 जिला सहकारी बैंक लाभ की स्थिति में हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इन बैंकों ने ?152.78 करोड़ का लाभ अर्जित किया है।

लखनऊ के प्रथम आगमन पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के लखनऊ में प्रथम आगमन पर राजधानी का माहौल पूरी तरह स्वागतमय नजर आया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय (अमौसी) हवाई अड्डे से उनके बाहर निकलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों ने जगह-जगह फूलों की वर्षा कर उनका जोरदार स्वागत किया। पूरे मार्ग पर उत्साह, जोश और भाजपा के पक्ष में नारों की गूंज सुनाई दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार बनाए गए थे। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं, पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया। बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक हाथों में पार्टी के झंडे लिए मौजूद रहे और 'भारत माता की जय' तथा 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। इसी क्रम में राजधानी के अधिवक्ताओं ने भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। अधिवक्ताओं ने पुष्पगुच्छ एवं मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुरेश पांडे तथा भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ के संयोजक के.के. मिश्रा के नेतृत्व में सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मौजूद अधिवक्ताओं एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पुनः प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी की नीतियों, सुशासन और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है तथा जनता का विश्वास भाजपा के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है।

राष्ट्रीय भानु जयंती का 212वां समारोह में गूंजी नेपाली भाषा-साहित्य की विरासत

काठमांडु(एजेंसी)। सिक्किम के सोरेंग जिले में आयोजित 212वें राष्ट्रीय भानु जयंती समारोह के चौथे दिन भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश प्रमुखता से उभरा। 'भाषा, साहित्य विकास एवं जातीय सद्भाव' विषय पर आयोजित इस समारोह में सिक्किम विधानसभा की उपाध्यक्ष राजकुमारी थापा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और युवाओं से अपनी मातृभाषा तथा सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नेपाली भाषा को भारतीय संविधान की मान्यता प्राप्त है और यह केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि देश की बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने युवाओं से भाषा और साहित्य के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस समारोह के दौरान आयोजित अंतर-विश्वविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का उल्लेख करते हुए विधानसभा उपाध्यक्ष ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तार्किक सोच, समय प्रबंधन और प्रभावी

अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करती हैं। उन्होंने छात्रों से सफल पेशेवर बनने के साथ-साथ जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनने का भी आह्वान किया।राष्ट्रीय भानु जयंती समारोह के तहत आयोजित अंतर-विश्वविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में कंचनजंघा राज्य विश्वविद्यालय, सिक्किम और सिक्किम विश्वविद्यालय ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर 13 जुलाई को होने वाले फाइनल में प्रवेश किया। पहले सेमीफाइनल में कंचनजंघा राज्य विश्वविद्यालय ने खरसांग कॉलेज को हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में सिक्किम विश्वविद्यालय ने उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय को पराजित किया। कंचनजंघा राज्य विश्वविद्यालय के भूपेन तिम्सिना और सिक्किम विश्वविद्यालय की मंदीरा रावत को सर्वश्रेष्ठ वक्ता चुना गया। इस समारोह की शुरुआत राज्य सरकार के वन विभाग के 'मेरा वृक्ष, मेरी संतति' अभियान के तहत पौधरोपण से हुई। मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों ने रोडोडेंड्रॉन (लालीगुरांस) का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। सुखिम डांस अकादमी और कलाकार राकेश शर्मा ने नेपाली लोक-संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए।इस कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद डी.टी. लेप्चा की पहल पर कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत सोरेंग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एक नई एंबुलेंस भी सौंपी गई। इससे जिले की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने की उम्मीद जताई गई। इस समारोह में विभिन्न जनप्रतिनिधियों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, विद्यार्थियों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। आयोजकों ने इसे नेपाली भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। आचार्य भानुभक्त आचार्य (1814-1868) नेपाली भाषा के प्रथम महाकवि माने जाते हैं। उन्हें सबसे अधिक प्रसिद्धि संस्कृत में रचित रामायण का सरल और सहज नेपाली भाषा में अनुवाद करने के लिए मिली।

उमर खालिद और शरजील इमाम को बड़ा झटका

दिल्ली(एजेंसी)। 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े बड़ी साज़िश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका दिल्ली की एक अदालत ने खारिज कर दीं। अपर सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जमानत देने से इन्कार किया। खालिद और इमाम पर आतंकवाद-रोधी कानून और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज है। खालिद और इमाम ने अपनी अर्ज़ी में कहा कि बिना मुकदमा शुरू हुए लगातार जेल में रखना मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। इमाम ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत से इन्कार के छह महीने बाद भी कार्रवाई में प्रगति नहीं हुई और वह लगभग छह साल से हिरासत में है। खालिद ने भी बिना आरोप तय हुए इतने ही समय से जेल में रहने का हवाला दिया। याचिका में जोर दिया गया कि लंबे समय से जेल में रहने के बावजूद आरोप तय नहीं हुए हैं। खालिद ने तर्क दिया कि बाद की न्यायिक घटनाओं से हालात में बदलाव आया है, जिससे मौजूदा अर्जी सुनवाई योग्य हो गई। उन्होंने आतंक से जुड़े एक मामले में 18 मई के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का ज़िक्र किया, जिसने 5 जनवरी के फैसले की आलोचना की थी।सुप्रीम कोर्ट ने पांच जनवरी को बड़ी साजिश वाले मामले में खालिद और इमाम को जमानत देने से

खालिद और इमाम ने अपनी अर्ज़ी में कहा कि बिना मुकदमा शुरू हुए लगातार जेल में रखना मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। इमाम ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत से इन्कार के छह महीने बाद भी कार्रवाई में प्रगति नहीं हुई और वह लगभग छह साल से हिरासत में है। खालिद ने भी बिना आरोप तय हुए इतने ही समय से जेल में रहने का हवाला दिया। याचिका में जोर दिया गया कि लंबे समय से जेल में रहने के बावजूद आरोप तय नहीं हुए हैं। खालिद ने तर्क दिया कि बाद की न्यायिक घटनाओं से हालात में बदलाव आया है, जिससे मौजूदा अर्जी सुनवाई योग्य हो गई।

इन्कार किया था। हालांकि, सह-आरोपी गुलफिशा फ़ातिमा, मीरान हैदर, शिफ़ा-उर-रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को राहत मिली थी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि यूएपीए के तहत खालिद और इमाम के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है। पीठ ने यह भी कहा कि सभी आरोपियों के साथ 'भागीदारी के स्तर' को देखते हुए एक जैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता।खालिद की अर्जी में मई के एक अन्य मामले में अदालत की टिप्पणियों का उल्लेख था। इन टिप्पणियों में कहा गया था कि यूएपीए के तहत भी जमानत एक नियम है। पीठ ने जोर दिया कि आतंकवाद-रोधी कानून अनिश्चितकालीन हिरासत का जरिया नहीं बनने चाहिए। खालिद ने 'यूनियन ऑफ़ इंडिया बनाम के.ए. नजीब' और 'वर्नन गोंसाल्विस बनाम महाराष्ट्र राज्य' जैसे फैसलों का हवाला दिया। उन्होंने तर्क दिया कि यूएपीए की कानूनी पाबंदियां सांविधानिक सुरक्षा उपायों से ऊपर नहीं हो सकतीं, यदि मुकदमे में उचित समय में पूरा होने की संभावना न हो।

युवा सितारे, जिन पर रहेंगी निगाहें

नई पीढ़ी के कई कलाकार कमर्शियल फिल्मों के साथ-साथ कंटेंट आधारित सिनेमा में भी बेहतर काम कर रहे हैं। फिल्मों से लेकर महत्वाकांक्षी ओटीटी प्रोजेक्ट्स तक, ये युवा कलाकार अपने कैरियर के अहम दौर में प्रवेश कर रहे हैं। चाहे बड़े कमर्शियल एंटरटेनर हों, भावनात्मक ड्रामा हो या अलग तरह की कहानियां, इन कलाकारों की आने वाली फिल्मों की लाइनअप इंडस्ट्री के बदलते दौर की झलक दिखाती है। जानिये 2026 के दूसरे हाफ में किन युवा सितारों पर सबकी नजर रहने वाली है।'द आर्चिस' से अपने अभिनय कैरियर की शुरुआत करने वाली सुहाना खान अब साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक 'किंग' में नज़र आएंगी। पिता शाहरुख खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। मिहिर आहूजा ने द आर्चिस, विजय 69, मा का सम और हिंदी विन्दी जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। अब ऑपरेशन सफेद सागर में नज़र आएंगे।प्रगति श्रीवास्तव - जनादेश प्रगति श्रीवास्तव भी उभरती हुई प्रतिभाओं में शामिल हैं। उनकी आने वाली फिल्म जनादेश ऐसी कहानी है जिसमें अभिनय अहम भूमिका निभाता है। बाबिल खान सबसे व्यस्त युवा कलाकारों में से एक हैं। एक नई वेब सीरीज़ के अलावा उनके पास एक मलयालम फिल्म और निर्देशक शूजीत

शनाया

सरकार की फिल्म दार्जिलिंग भी है। अलग तरह के किरदारों के ज़रिए हमेशा नए प्रयोग किए। जिगरा और मैं वापस आऊंगा जैसी फिल्मों के बाद वेदांग रैना अब मैडॉक फिल्म्स की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे। बढ़ती लोकप्रियता के बीच अभय वर्मा अब दिलकशी लेकर आ रहे हैं। मुंज्या और ए वतन मेरे वतन जैसी फिल्मों में स्क्रीन प्रेजेंस से प्रभावित करने वाले अभय की यह नई फिल्म उनके कैरियर को नई ऊंचाई दे सकती है। कपूर अब जॉम्बी रेड्डी 2 के जरिए एक नए जॉनर में कदम रखने जा रही हैं। आंखों की गुस्ताखियां और तू या मैं के बाद यह हॉरर-कॉमेडी फिल्म उन्हें एक अलग तरह का किरदार निभाने का मौका देगी। द आर्चिस और लवयापा में अपने अभिनय से प्रभावित करने के बाद खुशी कपूर अब मॉम 2 में नज़र आएंगी। लोकप्रिय फिल्म के सीक्वल होने के कारण इस प्रोजेक्ट से दर्शकों की उम्मीदें ज़्यादा हैं।

बिना प्रचार, सहज यादगार अभिनय से बनायी पहचान

भारतीय सिनेमा में जब ऐसे कलाकारों की चर्चा होती है जिन्होंने लोकप्रियता और अभिनय क्षमता के बीच संतुलन बनाया, तो आर माधवन का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। वे उन अभिनेताओं में शामिल हैं जिन्होंने कभी चर्चा में बने रहने के लिए विवादों, प्रचार अभियानों या निजी जीवन के प्रदर्शन का सहारा नहीं लिया। पूरा ध्यान हमेशा अपने काम पर रहा। इसी कारण वे अलग-अलग पीढ़ियों के दर्शकों के बीच समान रूप से लोकप्रिय हैं। उनकी फिल्मों की संख्या बहुत अधिक नहीं, लेकिन जिन फिल्मों में उन्होंने काम किया, उनका अभिनय यादगार बना। अभिनय से पहले उन्होंने टीवी धारावाहिकों और विज्ञापनों में काम किया। उनकी सहज अभिनय शैली ने फिल्म निर्देशकों का ध्यान आकर्षित किया। आर माधवन ने अभिनय के साथ लेखक, निर्माता और निर्देशक के रूप में भी अपनी क्षमता का परिचय दिया। भारत सरकार की ओर से उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जाना, एक सफल अभिनेता के साथ ही कलाकार की लोकप्रियता व गुणवत्ता का सम्मान है।उनके फिल्मी जीवन की सबसे बड़ी शुरुआत वर्ष 2000 में तमिल फिल्म

'अलाईपायुथे' से हुई, जिसका निर्देशन मणिरत्नम ने किया था। इस फिल्म ने उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा का बड़ा सितारा बना दिया। इसके बाद उन्होंने मिन्नाले, रन, कन्नथिल मुथमित्तल, अंबे शिवम, इरुधि सुत्तु, विक्रम वेधा और 'रॉकेट्री : द नंबी इफेक्ट' जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय किया। हर फिल्म में उनका किरदार पिछले किरदार से अलग दिखाई देता है। हिंदी सिनेमा में उनकी पहचान वर्ष 2001 में आई फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' से बनी। यह युवाओं की पसंदीदा फिल्मों में शामिल है जिसमें उनका मैडी का किरदार सबसे लोकप्रिय रोमांटिक पात्रों में गिना जाता है। इसके बाद उन्होंने रंग दे बसंती, गुरु, 3 इडियट्स, तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु रिटर्न्स, थ्री इडियट्स, रंग दे बसंती, साला खड़ूस, हिसाब बराबर, शैतान और 'केसरी चैप्टर 2' जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। '3 इडियट्स' में फरहान कुरैशी के किरदार में उनका अभिनय प्रेरित करता है। वहीं 'तनु वेड्स मनु' शृंखला में संयमित और संवेदनशील पति का किरदार निभाकर दिखाया कि बिना अधिक संवादों के भी प्रभावशाली अभिनय संभव है।आर माधवन की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना 'रॉकेट्री : द नंबी इफेक्ट' रही। इस फिल्म में उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक नंबी नारायणन की भूमिका निभाने के साथ-साथ निर्देशन, लेखन और निर्माण की जिम्मेदारी भी संभाली। यह फिल्म भारतीय वैज्ञानिकों के संघर्ष और सम्मान की कहानी थी। फिल्म को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली। इस फिल्म ने सिद्ध किया कि माधवन केवल अभिनेता नहीं, गंभीर फिल्मकार भी हैं। उन्होंने अपने किरदारों के चयन में और अधिक विविधता दिखाई है। 'शैतान' में उन्होंने एक रहस्यमय और नकारात्मक चरित्र निभाकर चौंका दिया। हाल ही में प्रदर्शित फिल्म 'धुरंधर' में भी उनके अभिनय की व्यापक चर्चा हुई। अपने किरदार को जिस परिपक्वता के साथ निभाया, उससे फिर स्पष्ट हुआ कि वे केवल लोकप्रिय अभिनेता नहीं, बल्कि मजबूत चरित्र अभिनेता भी हैं। वे किसी भी भूमिका के मनोवैज्ञानिक पक्ष से समझते हैं। आर माधवन हर वर्ष कई फिल्में नहीं करते। केवल वही परियोजनाएं स्वीकार करते हैं जिनकी कहानी और पात्र उन्हें प्रभावित करते हैं।

इंडियन आइडल में 22 वर्ष बाद लौटे अभिजीत सावंत और अमित सना

म्यूजिक रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के खास 75वें एपिसोड यानी 'डायमंड जुबली स्पेशल' का जश्न मनाया गया। इस मौके पर सीजन 1 के अभिजीत सावंत और अमित साना का दिल छू लेने वाला रीयूनियन हुआ। दोनों की जुगलबंदी ने सभी को उस दौर की याद दिला दी जब इस शो की शुरुआत हुई थी। इंडियन आइडल के स्टेज से घर-घर में मशहूर होने वाले अभिजीत सावंत और अमित सना ने 22 वर्ष बाद फिर से जलवा बिखेरा। अभिजीत ने कहा, 'इंडियन आइडल का पहला सीजन जीतने से मेरी जिंदगी ऐसे बदल गई, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। रातों-रात, मैं एक सपने का पीछा करने से उसे जीने लगा, और देश भर के दर्शकों से मिले प्यार ने मुझे एक ऐसी पहचान दी जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।' उन्होंने आगे कहा, 'डायमंड जुबली सेलिब्रेशन के लिए वापस आना बहुत इमोशनल लगता है, क्योंकि यह स्टेज ही वह जगह है जहां से मेरे लिए यह सब शुरू हुआ था। जाने-पहचाने चेहरों को देखना, उन यादगार यादों को फिर से जीना, और टैलेंटेड सिंगर्स की नई पीढ़ी की करियर यात्रा को देखना मुझे याद दिलाता है कि इंडियन आइडल सच में कितना टाइमलेस है। चाहे कितने भी साल बीत जाएं, यह शो हमेशा मेरा हिस्सा रहेगा, और इस माइलस्टोन सेलिब्रेशन का हिस्सा बनना एक सौभाग्य की बात है जिसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।' विशाल ददलानी के कहने पर अभिजीत ने अपना मशहूर गाना 'मोहब्बतें लुटाऊंगा' गाया तो सभी को तुरंत इंडियन आइडल के शुरुआती दिनों की याद आ गई। अमित सना भी उनके साथ स्टेज पर आए, यह पुरानी यादों वाली परफॉर्मेंस डायमंड जुबली एपिसोड के सबसे यादगार पलों में से एक बन गई। अमित सना ने कहा, 'जब मैं इस कॉम्पिटिशन के लिए आ रहा था, मुझे जीरो आइडिया था। फिर जब यहां आया, उस समय मैंने सोनू जी को देखा, फराह जी को देखा, अनु जी को देखा। मैं एक छोटे शहर का लड़का था। सिर्फ मैं ही नहीं, अदिति पॉल, प्राजक्ता और बहुत सारे कंटेस्टेंट भी बिल्कुल नए आए थे। उस वक्त हम में से किसी को भी नहीं पता था कि 22 साल बाद हम फिर से इंडियन आइडल के इसी स्टेज पर खड़े होंगे। यह बहुत बड़ी बात है।'

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी

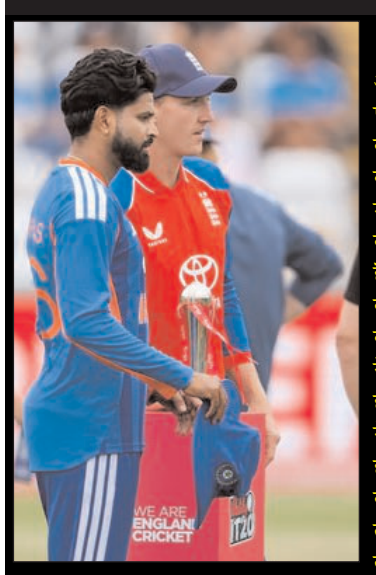

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है। इस मैच से वैभव सूर्यवंशी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज कर रहे हैं। टॉस जीतने के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा, 'हम फिर से पहले बल्लेबाजी करेंगे। हमने एक बदलाव किया है। वैभव को संजू सैमसन की जगह टीम में मौका दिया गया है। आपने उसे पिछले कुछ महीनों में देखा है, और जिस तरह से वह बैटिंग कर रहा है, मुझे लगता है कि वह पूरी तरह से स्क्वाड में रहने का हकदार है। वह ऐसा इंसान है जो बिल्कुल भी दबाव नहीं लेता। उसे अच्छी तरह पता है कि आने वाले मैचों में क्या होने वाला है। वह नेट्स में गेंदबाजों का सामना करता है। उससे पता चलता है कि वह किस तरह का खिलाड़ी है। भारतीय प्रतिभाओं को देखकर अच्छा लगता है।' इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा, 'हम भी बल्लेबाजी करते। टीम चयन से खुश हूं। जॉफ टीम में वापस आ रहे हैं। वह हमारे लिए मजबूत खिलाड़ी हैं। टंग ने कमाल कर दिया है। वे दोनों बहुत स्किलफुल गेंदबाज हैं और उनकी स्लोअर गेंद बहुत अच्छी हैं। यॉर्कर भी अच्छी तरह से डाल सकते हैं। हमने वैभव पर थोड़ा होमवर्क किया है।' इस मैच से वैभव सूर्यवंशी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज कर रहे हैं। सूर्यवंशी ने सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारतीय टीम के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया है। सचिन ने 16 साल 205 दिन में डेब्यू किया था, वैभव ने 15 साल 99 दिन में डेब्यू किया है। भारत की प्लेइंग इलेवन: वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्षित राणा, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती। इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन: फिल सॉल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम करन, विल जैक्स, लियाम डॉसन, आदिल राशिद, जोफ्रा आर्चर, जोश टंग।

फीफा वर्ल्ड कप: मेसी के नाम जुड़ी एक और बड़ी उपलब्धि

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में लियोनेल मेसी का शानदार प्रदर्शन जारी है। मेसी हर मुकाबले के साथ नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। काबो वर्डे के खिलाफ खेले गए राउंड ऑफ 32 मुकाबले में भी मेसी ने एक और बड़ी उपलब्धि को अपने नाम किया। मेसी फीफा विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (गोल करने में मदद) करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज खिलाड़ी डिएगो माराडोना का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मेसी वर्ल्ड कप में अब कुल 9 असिस्ट कर चुके हैं, जबकि माराडोना ने अपने करियर के दौरान विश्व कप में 8 असिस्ट किए। मेसी इसके साथ ही टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार आठ मुकाबलों में गोल करने वाले भी पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने काबो वर्डे के खिलाफ

खेले गए रोमांचक मुकाबले में एक गोल दागते हुए अर्जेंटीना को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अर्जेंटीना के कप्तान ने काबो वर्डे के खिलाफ मैच का पहला गोल किया। उन्होंने 29वें मिनट में लिसेंड्रो मार्टिनेज से मिले बेहतरीन पास को गोल में तब्दील किया। यह मेसी का विश्व कप में 20वां गोल रहा। फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड पहले ही मेसी अपने नाम कर चुके हैं। मेसी दो विश्व कप में 7 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। मेसी फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में टॉप पर मौजूद हैं। मेसी को कड़ी टक्कर फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे से मिल रही है, जो 6 गोल कर चुके हैं।

मेसी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना को काबो वर्डे के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद जीत नसीब हुई। 90 मिनट तक स्कोर 2-2 की बराबरी पर था। हालांकि, अतिरिक्त समय में काबो वर्डे के खिलाड़ी डिने बोर्गस मेसी के एक शॉट को क्लियर करने के प्रयास में अपना ही गोल कर बैठे। यह गोल निर्णायक साबित हुआ, जिसके बूते अर्जेंटीना मुकाबले को 3-2 से अपने नाम करने में सफल रही।

गौरी के साथ आमिर खान के विवाह पर सोमी अली की प्रतिक्रिया

गौरी स्प्रैट के साथ अभिनेता आमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। उनकी इस शादी को लेकर अब अभिनेत्री सोमी अली की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। सोमी अली की ओर से गौरी स्प्रैट और आमिर के लिए एक दिल को छू लेने वाला मैसेज शेयर किया गया। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती।' उन्होंने आमिर और गौरी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे साथ मिलकर एक खुशहाल और संतोषजनक नया अध्याय शुरू करेंगे। इंस्टाग्राम पर सोमी अली ने उनकी फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'गौरी और आमिर के लिए, प्यार किसी कैलेंडर को नहीं मानता। किसी भी उम्र में अपनी जिंदगी साझा करने के लिए साथी मिलना उतना ही खूबसूरत है जितना कि 20 साल की उम्र में मिलना। खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती। प्यार के लिए खुला दिल जश्न मनाने की चीज है, आलोचना करने की नहीं। उम्र सालों में मापी जाती है, लेकिन प्यार पलों में मापा जाता है।' सोमी अली ने आगे लिखा, 'अपना साथी पाने के लिए बधाई। कुछ लोग सही इंसान की तलाश में पूरी जिंदगी बिता देते हैं। अगर वह सफर किसी भी उम्र में शादी तक ले जाता है, तो वह देर नहीं है। वह बिल्कुल सही समय है। नया अध्याय शुरू करने का साहस प्रेरणादायक है। आप दोनों को जीवन भर खुशी, हंसी और साथ मिले। सबसे अच्छी प्रेम कहानियां इस बात से तय नहीं होतीं कि वे कब शुरू होती हैं, बल्कि इस बात से कि उन्हें कितनी गहराई से जिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उम्मीद है कि जो लोग आपकी उम्र को लेकर सवाल उठाते हैं, वे एक दिन समझेंगे कि खुशी की कोई समय-सीमा नहीं होती। उम्र बढ़ना तो तय है; साथ में उम्र बढ़ना एक तोहफा है। सबसे बड़ी उपलब्धि कम उम्र में शादी करना नहीं है, बल्कि ऐसा साथी पाना है जिसके साथ बुढ़ापा बिताया जा सके। ये भावनाएं, प्यार, साथ और जीवन के किसी भी पड़ाव पर खुशी पाने की आजादी का जश्न मनाती हैं।' हाल ही में, 'प्रीतम एंड पेड्रो' की स्क्रीनिंग के दौरान, आमिर ने गौरी के साथ अपने शादी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह एक निजी समारोह होगा, जिसमें केवल उनके करीबी परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल होंगे। आमिर ने बताया था, 'हम 5 तारीख को शादी कर रहे हैं। यह बहुत छोटी शादी है। हम इसे घर पर ही कर रहे हैं। 5 तारीख हमारे लिए बहुत खास दिन है। इसमें सिर्फ दोनों परिवार और कुछ करीबी दोस्त शामिल होंगे। हम बस सबकी दुआएं चाहते हैं कि हम खुश रहें।'

बोलीं- खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती